ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
उदयपुर, बुधवार 07 जनवरी 2026
वर्ष 2 अंक 245

बीएन विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह, राज्यपाल बागड़े बोले-
शिक्षा, कृषि और न्याय सुधार से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। औपनिवेशिक नीतियों ने भारत को उसकी पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था और स्थानीय उद्योगों से दूर कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी और सामाजिक असमानताएं बढ़ीं। इन ऐतिहासिक भूलों की भरपाई केवल समावेशी, मूल्य आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी शिक्षा के माध्यम से ही की जा सकती है। यह विचार राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने बुधवार को भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से निरंतर परिश्रम, बड़ी सोच, एकाग्रता और गहन अध्ययन को जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा के गौरव को पुनः स्थापित करने में विश्वविद्यालयों की भूमिका निर्णायक है, ताकि भारत फिर से विश्व में ज्ञान–नेतृत्व की भूमिका निभा सके।

99 पीएचडी, 47 गोल्ड मेडल- बेटियों का दबदबा

समारोह में राज्यपाल बागड़े ने 99 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की तथा स्नातक–स्नातकोत्तर स्तर के 47 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। खास बात यह रही कि 62 पीएचडी डिग्रियां, 35 गोल्ड मेडल, बेटियों ने अपने नाम कर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। घने कोहरे के कारण जयपुर और उदयपुर एयरपोर्ट पर उड़ानों में विलंब हुआ, जिससे राज्यपाल लगभग दो घंटे देरी से समारोह स्थल पहुंचे, लेकिन कार्यक्रम पूरे गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

महाराणा भूपाल सिंह को नमन, एनसीसी का गार्ड ऑफ ऑनर

समारोह से पूर्व राज्यपाल बागड़े ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित महाराणा भूपाल सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कार्यकारिणी सदस्यों ने राज्यपाल का 51 किलो की पुष्पमाला से भव्य स्वागत किया। जनजातीय और पिछड़े वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर राज्यपाल बागड़े ने मेवाड़ सहित जनजातीय बहुल क्षेत्रों की शैक्षिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को मजबूत किए बिना सामाजिक समानता संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो पिछड़े, घुमंतू और जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को सम्मानजनक जीवन और समान अवसर प्रदान कर सकती है।

मैकाले शिक्षा पर तीखा प्रहार, नई शिक्षा नीति की सराहना

राज्यपाल ने कहा कि 1835 में लागू की गई मैकाले शिक्षा प्रणाली ने भारत की मौलिक शिक्षा व्यवस्था को गहरा नुकसान पहुंचाया, जिसके दुष्परिणाम आज भी समाज झेल रहा है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति–2020 के माध्यम से इस ऐतिहासिक क्षति की भरपाई की दिशा में ठोस प्रयास शुरू हुए हैं।

विशिष्ट अतिथि प्रो. कैलाश सोडाणी का संबोधन

विशिष्ट अतिथि, पूर्व कुलपति एवं राज्यपाल के उच्च शिक्षा सलाहकार प्रो. कैलाश सोडाणी ने कहा कि आत्मनिर्भर और आधुनिक मेवाड़ के निर्माण में शिक्षण संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने शोध, डिजिटल शिक्षा, तकनीकी उन्नयन और स्वदेशी सोशल प्लेटफॉर्म विकसित करने पर जोर दिया तथा मानसिक गुलामी से मुक्ति का आह्वान किया।

दीक्षांत ज्ञान को कर्म में बदलने का पर्व-प्रो. सारंगदेवोत

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि दीक्षांत केवल डिग्री प्राप्ति का अवसर नहीं, बल्कि ज्ञान को संस्कार और कर्म में रूपांतरित करने का पर्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से सत्य, सेवा और संयम को जीवन के मूल स्तंभ बनाने और समाज व राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि शिक्षा में समता के बिना सच्ची सफलता संभव नहीं है। जीवन में साहस, धर्म के मार्ग पर आस्था और कर्म में ईमानदारी ही व्यक्ति को ऊंचाइयों तक ले जाती है। भारतीय दर्शन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उपनिषद समाज कल्याण के माध्यम से अमृतत्व का संदेश देते हैं, वहीं श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान की पवित्रता और उसकी महान परंपरा से हमारा परिचय कराती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सभी के लिए एक्सेस, एक्सेप्टेबिलिटी और अफोर्डेबिलिटी सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके। उन्होंने स्थानिक जड़ों से जुड़ी किंतु वैश्विक दृष्टिकोण वाली शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टि के साथ संवेदनशील, नैतिक और मूल्य आधारित सोच का निर्माण होना चाहिए।

उन्होंने आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे सत्य, सेवा और संयम को अपने जीवन के मूल स्तंभ बनाएं, स्वतंत्र सोच के साथ निर्णय लें और दृढ़ संकल्प के बल पर अपने ज्ञान से समाज, राष्ट्र और विश्व को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करें।

गरिमामय उपस्थिति

समारोह में प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़, रजिस्ट्रार डॉ. एन.एन. सिंह, अध्यक्ष प्रो. चेतन सिंह चौहान, परीक्षा नियंत्रक प्रो. पारस जैन, पीजी डीन प्रो. प्रेमसिंह रावलोत सहित विश्वविद्यालय प्रबंधन, शिक्षाविद, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिता राठौड़ ने किया।

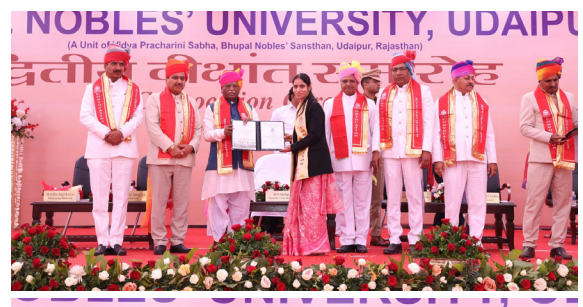







सुप्रीम कोर्ट बोला-कुत्तों के चलते लोग कब तक परेशानी झेलेंगे:स्कूल और कोर्ट कैंपस में कुत्तों की क्या जरूरत; वे बच्चों-बड़ों को काट रहे, लोग मर रहे



24 न्यूज अपडेट

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने पूछा कि कुत्तों के कारण आम लोगों को आखिर कब तक परेशानी झेलनी पड़ेगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका आदेश सड़कों के लिए नहीं, बल्कि केवल संस्थागत क्षेत्रों के लिए है।

पीठ ने सवाल उठाया कि स्कूलों, अस्पतालों और अदालत परिसरों के भीतर आवारा कुत्तों की क्या आवश्यकता है और उन्हें वहां से हटाने पर क्या आपत्ति हो सकती है।

बुधवार को मामले की सुनवाई ढाई घंटे तक चली। अगली सुनवाई 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से फिर शुरू होगी।

बहस में आवारा कुत्तों के फेवर में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा कि जो कुत्ता काटे उसकी नसबंदी की जा सकती है।

इस पर कोर्ट ने कहा, अब तो बस एक ही चीज बाकी है, कुत्तों को भी काउंसलिंग देना। ताकि वापस छोड़े जाने पर वह काटे नहीं।

इस बीच सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- 'आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं।'

कोर्ट ने कहा कि कुत्तों से दुर्घटनाओं का खतरा भी होता है। आप इसकी पहचान कैसे करेंगे? सुबह-सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में है, यह आप नहीं जान सकते।

कोर्ट ने सरकार से पूछा कि 2018 में एनिमल बर्थ कंट्रोल (ABC) को लेकर सख्त निर्देश दिए गए थे। ये ठीक से लागू क्यों नहीं हुए। नियमों के पालन में देरी से जनता को नुकसान नहीं होना चाहिए।

राजसमंद में तलवार से युवक की हत्या का खुलासा, सोशल मीडिया विवाद में छह चचेरे भाइयों ने लिया बदला



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। राजसमंद जिले के खमनौर थाना क्षेत्र में युवक की तलवार से नृशंस हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या किसी एक व्यक्ति ने नहीं, बल्कि छह चचेरे भाइयों ने मिलकर सुनियोजित तरीके से की। हत्या की जड़ सोशल मीडिया पर किए गए कमेंट और उससे उपजा पुराना विवाद बताया गया है। खमनौर थानाधिकारी नरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मृतक हिम्मत सिंह (29) की हत्या के मामले में आरोपी हमेर सिंह (32), नाथू सिंह (35), कालू सिंह (26), किशन सिंह (27), प्रकाश सिंह और एक अन्य हिम्मत सिंह ने पहले केलवाड़ा थाने में सरेंडर किया, जिसके बाद खमनौर थाना पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

1 किलोमीटर तक किया पीछा, उतरते ही तलवार से हमला

पुलिस के अनसार मंगलवार को हिम्मत सिंह बनोकड़ा से अपने दो साथियों के साथ गांवगुड़ा चमत्कार चौराहे की ओर जा रहा था। चौराहे से करीब 1 किलोमीटर पहले से एक काले रंग की स्कॉर्पियो (गुजरात नंबर GJ-16-CB-4082) उसका पीछा कर रही थी। जैसे ही हिम्मत सिंह चमत्कार चौराहे पर गाड़ी से उतरा, पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उसे घेर लिया। स्कॉर्पियो में रखी तलवार से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया गया। करीब तीन मिनट तक लगातार वार किए गए। सिर पर तलवार लगते ही हिम्मत सिंह मौके पर ही गिर पड़ा। आरोपी उसे गंभीर हालत में छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों और साथियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घर की महिलाओं के सामने मारपीट बनी हत्या की वजह

थानाधिकारी भाटी ने बताया कि पूछताछ में हत्या का कारण सामने आया है। 4 दिसंबर को हमेर सिंह और कालू सिंह अपने परिवार के साथ पुष्कर से राजसमंद लौट रहे थे। रास्ते में बग्गड़ टोल प्लाजा पर हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया कमेंट को लेकर उन्हें रुकवा लिया और घर की महिलाओं के सामने ही मारपीट कर दी। इस घटना से हमेर और कालू सिंह गहरा अपमान महसूस कर रहे थे और बदला लेने की फिराक में थे। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद में रह रहे अपने चचेरे भाइयों को बुलाया और हत्या की साजिश रची। होटल विवाद भी था पुरानी रंजिश की वजह पुलिस ने यह भी बताया कि मृतक हिम्मत सिंह और आरोपियों के बीच अहमदाबाद में होटल को लेकर भी पुराना विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों के बीच तनातनी लगातार बनी हुई थी। 4 दिसंबर की घटना ने विवाद को और भड़का दिया, जिसका नतीजा इस खूनी वारदात के रूप में सामने आया।

श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज की संभाग स्तरीय बैठक, उदयपुर में 5 मंजिला समाज भवन निर्माण का संकल्प



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शिवपुरी धाम इंटालिखेड़ा में प्रभु बा के पावन सानिध्य में सोमवार को श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज की संभाग स्तरीय संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में समाज के चौखला कार्यकारिणी सदस्यों, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों, ग्राम इकाइयों के अध्यक्षों, कोर कमेटी सदस्यों एवं पंचगणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक के मुख्य अतिथि संभागीय अध्यक्ष भूपेंद्र पंड्या रहे, जबकि अध्यक्षता विनय त्रिवेदी (शिवपुरी आश्रम, इंटालिखेड़ा) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में लक्ष्मीनारायण पांडे, प्रियकांत पंड्या, पवन अमरावत एवं किरीट पंड्या उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ छमेंऊ चौखला के लीलाधर के स्वागत उद्बोधन से हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए पवन अमरावत ने बताया कि बैठक का उद्देश्य त्रिमेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन एवं उदयपुर में प्रस्तावित 5 मंजिला बहुउद्देशीय समाज भवन के निर्माण को लेकर समाज की सभी इकाइयों से सहयोग सुनिश्चित करना है। विभिन्न चौखलों की ओर से वागड़ चौखला से द्वारिका प्रसाद जोशी, चौरासी चौखला से किशोर पंड्या, पथोक चौखला से गोमती शंकर पंड्या तथा तरपोत चौखला से विनोद जी ने भवन निर्माण में तन-मन-धन से सहयोग का आश्वासन दिया। विभिन्न प्रकोष्ठों की ओर से संभागीय कर्मचारी प्रकोष्ठ प्रभारी दीपक त्रिवेदी, युवा प्रकोष्ठ से विनोद पांडे, राजनीति प्रकोष्ठ से सुरेश फलोजिया, खेल प्रकोष्ठ से विनोद पानेरी एवं गणेश त्रिवेदी तथा महिला प्रकोष्ठ से लक्ष्मी देवी ने संगठन को सशक्त करने और भवन निर्माण में सहयोग का संकल्प दोहराया।

संपादकीय : लक्षित हिंसा

बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से जिस तरह की अराजकता बेलगाम होती देखी जा रही है, उससे साफ है कि बदलाव की मांग के साथ वहां जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह अब दिशाहीन हो चुका है। अब वहां हो रही लक्षित हिंसा की घटनाएं व्यापक चिंता का कारण बन रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों में जिन दो लोगों की हत्या कर दी गई, उनकी सामुदायिक पहचान हिंदू थी। सोमवार रात को वहां के नरसिंगदी शहर में अज्ञात हमलावरों ने एक किराना दुकान के चालीस वर्षीय मालिक की हत्या कर दी। इस घटना से कुछ घंटे पहले ही जेस्सोर जिले में एक अन्य व्यापारी की सिर में गोली मार कर जान ले ली गई, जो एक अखबार के कार्यवाहक संपादक भी थे। इसके अलावा, एक विधवा से सामूहिक बलात्कार, उसका निर्मम उत्पीड़न करने और उसका वीडियो बना कर जारी कर देने की भी खबर आई। इससे पहले भी वहां हिंदू पहचान को निशाना बना कर हत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। साफ है कि बांग्लादेश में जारी हिंसा और अफरा-तफरी अब किसी खास एजंडे के तहत हो रही लगती है। वरना क्या कारण है कि एक ही प्रकृति की घटनाएं लगातार सामने आने और इसी वजह से नई जटिलताएं खड़ी होने के बावजूद वहां की अंतरिम सरकार इसे रोकने को लेकर कुछ भी ठोस कदम नहीं उठा रही है। यह बेवजह नहीं है कि लगातार और सरेआम हो रही हत्या की घटनाओं से स्थानीय अल्पसंख्यक समुदायों के आम लोगों और व्यापारियों के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। अशांति और हिंसा की घटनाओं में तेजी की तात्कालिक वजह जुलाई, 2024 के विद्रोह के एक प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या हो सकती है, जो भारत का कट्टर आलोचक भी था । सवाल है कि अगर हादी का मकसद देश को बदलना था, तो क्या उसका रास्ता यह होगा कि वहां के अल्पसंख्यक तबकों और खासतौर पर चुन कर हिंदू पहचान वाले निर्दोष लोगों की हत्या की जाए? फिर अगर अराजकता का यह सिलसिला जारी रहता है और वहां की सरकार तथा कानून- व्यवस्था संभालने वाली एजंसियां ऐसी घटनाओं को रोक नहीं पाती हैं, तो इसके क्या मावने निकाले जाएंगे ? बांग्लादेश में तत्कालीन शेख हसीना सरकार के खिलाफ विद्रोह की घोषित वजहें चाहे जो रही हों, लेकिन आज वहां भीड़तंत्र जिस तरह हावी होता दिख रहा है, वह खुद बांग्लादेश के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। धार्मिक पहचान को आधार बना कर हत्या या बलात्कार की घटनाओं के दौरान स्थानीय लोग जिस तरह अराजक होते या जैसी प्रतिक्रियाएं देते दिखते हैं, वह कुछ समूहों के दिशाहीन और संवेदनहीन हो जाने का संकेत तो है ही, जघन्य अपराधों के बेलगाम होते जाने को नहीं रोक पाना दरअसल शासन के नाकाम हो जाने का भी सबूत है। अगर अब भी वहां शांति और लोकतंत्र की बहाली के लिए ठोस कवायद नहीं हुई, अल्पसंख्यक समुदायों के बीच फैली असुरक्षा की भावना बनी रही, तो इसका खमियाजा समूचे देश को उठाना पड़ सकता है। सही है कि लक्षित तौर पर हिंसा करने वालों के बरक्स वहां अब भी वैसे लोग हैं, जो अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने पर चिंता जाहिर करते हैं। मगर शेख हसीना को सत्ता से हटाने के कई महीने के बाद भी अगर वहां अराजकता फैलती दिख रही है, तो विद्रोह की अगुवाई करने वालों से लेकर फिलहाल सत्ता संभालने वाले समूह भविष्य में किस तरह का बांग्लादेश बनाने की उम्मीद दे रहे हैं?

संवेदनहीनता की अति

अस्पतालों में मरीज का इलाज ही नहीं, बल्कि चिकित्सकों और प्रबंधकीय कर्मियों का व्यवहार भी कई मायनों में महत्त्वपूर्ण होता है किसी बीमारी से पीड़ित वा हादसे में घायल व्यक्ति को इस उम्मीद के साथ अस्पताल लाया जाता है कि उसकी जान पर मंडरा रहा खतरा टल जाएगा। मगर इलाज के दौरान अगर किसी की मौत हो जाए, तो अस्पताल प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी मरीज के शव को ससम्मान परिजनों को सौंप देने की होती है। इसके बावजूद अगर कोई अस्पताल इलाज के खर्च का भारी-भरकम बिल बनाकर उसकी पूरी वसूली के लिए शव को अपने कब्जे में रखने का प्रयास करे, तो इसे संवदेनहीनता और अनैतिकता की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या कहा जाएगा ! उत्तराखंड के हल्द्वानी में हाल ही में एक ऐसा ही मामला सामने आया। एक निजी अस्पताल ने महिला को उसकी मौत से पहले केवल दो घंटे भर्ती करने का न केवल अस्सी हजार रुपए का बिल बना दिया, बल्कि इसका पूरा भुगतान न होने पर परिजनों को शव सौंपने से भी इनकार कर दिया। बाद में पुलिस के दखल देने पर शव परिजनों के हवाले किया गया। इसमें दोराय नहीं है कि निजी अस्पताल अब मानवता की सेवा के बजाय उद्योग-धंधे में तब्दील होते जा रहे हैं, जहां मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति मानवीय संवेदनाओं और सेवा भाव पर हावी होती दिख रही है। यही वजह है कि निजी अस्पतालों में इलाज की बड़ी रकम का पूरा भुगतान न करने पर शव परिजनों को सौंपने से इनकार कर देने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि क्या अस्पतालों के इस रवैये को कानूनी या मानवीय तौर पर जायज ठहराया जा सकता है ? हल्द्वानी के मामले में तो परिजनों ने बिल के अस्सी हजार रुपए में से सत्तावन हजार रुपए का भुगतान कर दिया था, इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने महिला का शव देने से इनकार दिया। अगर कोई मरीज या उसके परिजन इलाज के खर्चे की जायज रकम देने से इनकार करता है, तो अस्पताल प्रशासन कानून का सहरा ले सकता है, लेकिन शव को अपने कब्जे में लेने के प्रयास को न तो कानूनी और न ही नैतिक तौर पर उचित ठहराया जा सकता है।

जिन्होंने गाड़ियों को तोड़ा, अरावली ने उनको नहीं छोड़ा, किसी की टूटी टांग तो किसी का हाथ तोड़ा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में स्वराज नगर (माछला मगरा) इलाके में रात के समय रोड किनारे खड़ी करीब दो दर्जन गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दहशत फैलाने वाले आरोपियों को पुलिस ने महज 6 घंटे के भीतर चिन्हित कर कार्रवाई कर दी। पुलिस ने इस संगठित वारदात में शामिल एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके दो नाबालिग साथियों को डिटेन किया गया है।

घटना को एसपी ने लिया गंभीरता से

दिनांक 06 जनवरी 2026 की रात्रि को हुई इस घटना को जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर योगेश गोयल (IPS) ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा और वृत्ताधिकारी नगर पूर्व सूर्यवीर सिंह राठौड़ के निकट पर्यवेक्षण में थानाधिकारी सूरजपोल रतन सिंह चौहान के नेतृत्व में कई पुलिस टीमों का गठन किया गया।

सीसीटीवी फुटेज से खुली वारदात की परतें

पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की। जांच में सामने आया कि यह वारदात नवाज पुत्र जावेद खान उर्फ लाला (19 वर्ष), निवासी दीवानशाह कॉलोनी, उदयपुर ने अपने दो नाबालिग साथियों के साथ मिलकर अंजाम दी थी। तीनों मिलकर



एक संगठित गिरोह के रूप में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते थे।

गिरफ्तारी से बचने के प्रयास में पहाड़ी से लगाई छलांग सूचना मिलने पर पुलिस टीमों ने माछला मगरा पहाड़ी क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया। खुद को घिरता देख तीनों आरोपियों ने पुलिस से बचने के लिए पहाड़ी की दूसरी ओर छलांग लगा दी, जिससे वे नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

मुख्य आरोपी नवाज के दोनों पैर और एक हाथ टूट गया, जबकि दोनों नाबालिगों के पैर फ्रैक्चर हो गए। घटना की सूचना मिलने के महज 6 घंटे के भीतर तीनों को डिटेन कर अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिलाया गया। उपचार के बाद नवाज को विधिवत गिरफ्तार किया गया, जबकि दोनों नाबालिगों से पूछताछ जारी है।

आपराधिक रिकॉर्ड भी आया सामने

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी नवाज के खिलाफ मारपीट और हत्या के प्रयास के दो प्रकरण पहले से थाना सूरजपोल में दर्ज हैं। वहीं, एक बाल अपचारी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और मारपीट के तीन प्रकरण सूरजपोल और धानमंडी थानों में दर्ज पाए गए हैं। मामले में तीनों से गहन पूछताछ और अनुसंधान जारी है।

डीएसटी–प्रतापनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 12 कार्टन अंग्रेजी शराब जब्त, फर्जी नंबर प्लेट लगी स्विफ्ट कार समेत दो तस्कर गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। डीएसटी (डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम) और पुलिस थाना प्रतापनगर की संयुक्त टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक स्विफ्ट कार से 12 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान वाहन से दो फर्जी नंबर प्लेट भी जब्त की गईं। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा एवं वृत्ताधिकारी नगर पूर्व सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में की गई। थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण के नेतृत्व में प्रतापनगर पुलिस टीम ने डीएसटी के साथ मिलकर नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोका।

फतहनगर से गुजरात ले जाई जा रही थी अवैध शराब

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने खुलासा किया कि वे फतहनगर से स्विफ्ट कार में शराब के कार्टन भरकर कोकनपुर (गुजरात) की ओर तस्करी के लिए जा रहे थे। पुलिस ने मौके पर ही शराब से भरी कार को जब्त कर लिया और दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। तस्करी के नेटवर्क, शराब की खरीद–फरोख्त और इससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका को लेकर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

गिरफ्तार आरोपी

नारायण पुत्र इन्द्रमल, निवासी दरोली, थाना डबोक, उदयपुर, रामनिवास पुत्र रतनाराम, निवासी वाड़ा भाढवी, थाना बागड़ो, जिला जालोर, कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम, राजेन्द्र सिंह चारण, थानाधिकारी, प्रतापनगर (टीम प्रभारी) विक्रम सिंह, उप निरीक्षक, डीएसटी (टीम प्रभारी) एवं उनकी टीम

80 लाख की अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त, तस्करों की क्रेटा कार छोड़कर फरार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. जिले के पुलिस थाना गोगुन्दा ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 80 लाख रुपये मूल्य का अवैध अफीम डोडा चूरा और एक क्रेटा कार जब्त की है। हालांकि, तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और वृत्ताधिकारी गिर्दा गोपाल चंदेल के सुपरविजन में की गई।

नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध कार ने तोड़ी पुलिस घेराबंदी

थानाधिकारी श्याम सिंह के नेतृत्व में गोगुन्दा पुलिस टीम ने गोगुन्दा से सायरा जाने वाले मार्ग पर नाकाबंदी शुरू की थी। इसी दौरान तरपाल की ओर से एक क्रेटा कार तेज रफ्तार में आती दिखाई दी। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर चालक ने वाहन नहीं रोका और तेज गति से कार भगाने लगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने कार के टायर ब्रस्ट कर दिए, इसके बावजूद चालक वाहन को करीब 10 किलोमीटर तक भगाकर ले गया। अंततः झाड़ोली गांव से आगे हाईवे के पास कार को सड़क पर छोड़कर चालक झाड़ियों में कूद गया और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

कार से 361.947 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद

पुलिस ने मौके पर खड़ी क्रेटा कार (नंबर RJ-27-CJ-3298) की तलाशी ली, जिसमें काले रंग के 17 प्लास्टिक कट्टे मिले। जांच में सभी कट्टों में अवैध अफीम डोडा चूरा भरा हुआ पाया गया। वजन करने पर कुल 361.947 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के साथ क्रेटा कार को जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार तस्करों की तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं और मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम

श्याम सिंह, थानाधिकारी, गोगुन्दा (टीम प्रभारी)
चरण सिंह, हेड कांस्टेबल 745 (विशेष भूमिका)
योगेन्द्र, कांस्टेबल 1080
भूपेन्द्र, कांस्टेबल 387
वीरेंद्र सिंह, कांस्टेबल 877
प्रताप सिंह, कांस्टेबल 1598
अजीत सिंह, कांस्टेबल 2283 (चालक)



यात्रीगण ध्यान दें : आज उदयपुर सिटी–खजुराहो 1 घंटो देरी से होगी रवाना



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लिंक रेक के विलंब से पहुंचने के कारण उदयपुर सिटी–खजुराहो रेलसेवा को पुनर्निर्धारित (रीशड्यूल) किया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार यह बदलाव केवल प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान समय में किया गया है। रीशड्यूल रेलसेवा (प्रारंभिक स्टेशन से) गाड़ी संख्या 19666, उदयपुर सिटी–खजुराहो यह रेलसेवा दिनांक 07 जनवरी 2026 को उदयपुर सिटी से अपने निर्धारित समय रात्रि 21.50 बजे के स्थान पर 01 घंटे विलंब से रात्रि 22.50 बजे प्रस्थान करेगी। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पूर्व अद्यतन समय-सारिणी की जानकारी प्राप्त कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

आर्यिका चन्द्रमती माताजी के सानिध्य में हुई शांतिधारा एवं अभिषेक



24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, तहसील रोड स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रवासरत गणिनी आर्यिका चंद्र मति माताजी ससंघ के सानिध्य में बुधवार को प्रातः भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। मंदिर परिसर के सभागार में आर्यिका ने अपने मंगल प्रवचन में बताया कि ताश के पत्तों के प्रतीकात्मक अर्थ से जीवन के खेल और कर्म सिद्धांत को समझा जा सकता है, जैसे 52 पत्ते जीवन के विभिन्न अवस्थाएँ, चार रंग चार गतियाँ (नरक, तिर्यंच, मनुष्य, देव), और जोकर की तरह हर परिस्थिति में अनुकूलित होकर कर्मों का सामना करना और पत्तों के क्रम-भंग से कर्मों के क्षय का प्रतीक समझना संभव है, ऐसा जैन शिक्षाओं में बताया जाता है। जैसे तिग्गी में तीन होते हैं, वैसे ही जीवन में तीन रत्न सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र आवश्यक हैं। इसी प्रकार पाँच के पत्ते की तरह पाँच पापों का त्याग तथा दस के पत्ते की भांति दस धर्मों को जीवन में अपनाना चाहिए।

माताजी ने कहा कि गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी व्यक्ति को छोटे-छोटे नियम निरंतर लेते रहना चाहिए, जिससे आत्मिक उन्नति संभव हो सके। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जब हम मंदिर में निवास करते हैं, उस समय उतनी अवधि के लिए घर और सांसारिक भावों का त्याग कर पूर्ण रूप से धर्म-भावना में लीन रहना चाहिए। आहारचर्या के बाद संघ का बिछीवाड़ा की ओर विहार हुआ। धर्म सभा में स्थानीय दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष रमेश चंद्र कोठारी, महामंत्री भूपेंद्र कुमार जैन, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद कोठारी, पूर्व उपाध्यक्ष पारस जैन, पूर्व महामंत्री हसमुख जैन, डॉ रमण लाल जैन, महेंद्र कोठारी, शैलेश पंचोली,रतन लाल चंदावत, रमेश गांधी, युवा परिषद अध्यक्ष विक्रांत कोठारी, महामंत्री वैभव कोठारी, महिला परिषद अध्यक्ष शकुंतला कोठारी, ममता किकावत, ममता कोठारी, किरण चंदावत,सीमा सुरेश जैन, रेण मंजुशा, निशा पंचोली सहित सकल दिगम्बर जैन समाज के अनुयाई उपस्थित थे। आभार महामंत्री भूपेंद्र कुमार कोठारी ने ज्ञापित किया।

तीन दिवसीय निशुल्क योग शिविर संपन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पतंजलि योग परिवार व भारत स्वाभिमान न्यास उदयपुर द्वारा 5 से 7 जनवरी तक श्री चंद्र शेखर महादेव मंदिर सेक्टर 8 में योगाचार्यों के सानिध्य में तीन दिवसीय निशुल्क योग शिविर आयोजित किया। जिसमें आस पास के लोगों ने योगाचार्यों से योग सिखा। एवं योग के महत्व के बारे में जानकारी हासिल की। सभी योगाचार्यों का सम्मान दिनेश अग्रवाल ने किया। मिडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया 8 जनवरी से नियमित योग शिविर योग शिक्षक राहुल बैरागी के सानिध्य में प्रातः 6 से 7.30 बजे तक श्री चंद्र शेखर महादेव मंदिर में आयोजित किया जाएगा।

श्रम विभाग द्वारा शिविर का आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 जनवरी। श्रम आयुक्त महोदया, राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2026 में प्रति माह शहर की एक श्रमिक चौखटी पर निर्माण श्रमिकां के भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण मंडल के तहत श्रमिक पंजीयन एवं ई-श्रम पंजीयन किये जाने हेतु बुधवार को शहर के सवीना चौराहा श्रमिक चौखटी पर श्रम विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे वहाँ उपस्थित श्रमिकों को विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा श्रमिक कार्ड एवं ई-श्रम पंजीयन हेतु जागरूक किया गया। संभागीय संयुक्त श्रम आयुक्त संकेत मोदी ने बताया कि शिविर स्थल पर ही कुल 74 श्रमिकों को श्रम निरीक्षकगण द्वारा निर्माण श्रमिक प्रमाण पत्र जारी किये गए जिसके आधार पर श्रमिकगण किसी भी ई-मित्र पर जाकर सुगमता से निर्माण श्रमिक पंजीयन करा सकेंगे साथ ही शिविर मे 26 श्रमिकों का ई-श्रम पंजीयन किया गया।

राहु—ल काल में फिर यूडीए बना डीपीएस का चौकीदार, सरकार को किया गुमराह, कौन करेगा जांच???



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में एक स्कूल है डीपीएस। जिसके कर्ता धर्ता इतने पावरफुल हैं कि उसके खिलाफ जमीन घोटाले की जांच में कोई भी सरकार हो पत्ता नहीं हिलता। यूडीए में फुल सेटिंग चलती है। जब—जब जांच होती है, यूडीए डीपीएस के पक्ष में धुआंधारा बल्लेबाजी करना शुरू कर देता है। यही हाल ताज अरावली के मामले में भी है। याने, यूडीए है तो धांधली करने वालों के लिए सब कुछ मुमकिन है। खुल्ला खेल चलता रहता है। कई बार तो लगता है कि यूडीए ही भू माफियाओं जैसी भूमिका निभाना शुरू कर देता है। या यूं कहें कि उपर से जो उनको लाए हैं उनका हर बार आदेश मानना शुरू कर देता है। डीपीएस स्कूल का जमीन घोटाला एक ऐसा महाग्रंथ हो चुका है जिस पर एक थ्रिलर फिल्म भी बनाई जा सकती है। इसके आगे शिकायतकर्ता अस्त पस्त है और डीपीएस बरसों बरस से मस्त—मस्त है। कई बड़े नेताओं और अफसरों की मिलीभगत, नेताओं और जन प्रतिनिधियों का मकड़जाल इस सिस्टम को बहुत ही मजबूती से सपोर्ट करता है। कहां से फंडिंग होती है और कहां तक फंडिंग जाती है इसके किस्से किसी से छिपे नहीं है। गरीबों के आशियाने ये लोग अट्हास करते हुए उजाड़ देते हैं, उसकी मीडिया पब्लिसिटी भी करते हैं लेकिन हाथियों का नाम आते ही यूडीए में कुछ लोग दुम हिलाने लगते हैं। आज बात होगी एक बार फिर डीपीएस की इस बार सब जानते हैं कि राहु—ल काल नेताओं के लिए लाभ का चौघड़िया लेकर आया है। पौ—बारह, बल्ले बल्ले हो रही है, पांचों उंगलियां घी में और सिर कड़ाई में नजर आ रहा है। ऐसे अमृत काल में जब अमृत बरस रहा हो तो हमने सोचा कि हम भी खबर का अमृत बरसा देते हैं।

डीपीएस जमीन घोटाला, जांच के नाम पर लीपापोती, यूडीए ने रिपोर्ट में बदले तथ्य

डीपीएस स्कूल उदयपुर से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाले की पत्रकार जयवंत भैरविया द्वारा की गई शिकायत के बाद तत्कालीन मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इस मामले की जांच के आदेश यूआईटी (अब यूडीए) को दिए थे। इसके बाद एक जांच समिति का गठन किया गया, लेकिन जांच की दिशा और निष्कर्ष शुरू से ही संदेह के घेरे में रहे। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि जिन शर्तों पर डीपीएस को सरकारी जमीन आवंटित की गई थी, उनका आज तक पालन नहीं हुआ। खासकर गरीब, आदिवासी और वंचित वर्ग के बच्चों को दिए जाने वाले प्रवेश को लेकर कोई ठोस प्रमाण नहीं मिले। इसके बावजूद यूडीए द्वारा सरकार को भेजी गई रिपोर्ट में एडमिशन से जुड़े गंभीर तथ्यों को या तो दबा दिया गया या जानबूझकर नजरअंदाज किया गया।

रिपोर्टों में विरोधाभास, सरकार ने जताई आपत्ति

जमीन से जुड़े आंकड़ों को बार-बार बदले जाने पर तत्कालीन शासन उप सचिव ने यूआईटी सचिव हेमेन्द्र नागर को पत्र लिखकर स्पष्ट किया कि भेजी गई रिपोर्टों में गंभीर विरोधाभास हैं। पत्र में यह भी कहा गया कि विस्तृत टिप्पणी प्रस्तुत की जाए, अन्यथा लापरवाही के लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेदार माने जाएंगे। इसके बावजूद, यूडीए स्तर पर किसी भी अधिकारी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

गेप भूमि के बहाने खेल दिया नया खेल

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने अतिरिक्त कब्जे की जमीन को "गेप भूमि" बताकर सेटल करने का प्रयास किया और यह तक लिख दिया कि उक्त भूमि का आवंटन अभी शेष है। जबकि "गेप भूमि" जैसा कोई शब्द न तो राजस्व शब्दावली में है और न ही किसी अधिसूचित नीति में। यह शब्द केवल और केवल डीपीएस को बचाने के लिए गढ़ा गया प्रतीत होता है।

इनको है नोटिस लेने से इनकार करने का अधिकार??? फिर भी कार्रवाई नहीं अप्रैल माह में उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा गोविंद अग्रवाल को रजिस्टर्ड डाक से नोटिस भेजा गया, जिसमें तीन दिन में दस्तावेजों सहित पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश थे। लेकिन नोटिस लेने से ही इनकार कर दिया गया। इसके बावजूद न तो जमीन निरस्त की गई, न ही किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई की गई—जो अपने-आप में सिस्टम की मंशा पर सवाल खड़े करता है।

तथ्यों की फेहरिस्त जो सिस्टम पर सवाल उठाती है

2005 में करीब 3 लाख वर्ग फीट जमीन का आवंटन, 2023 में लगभग 1 लाख वर्ग फीट जमीन दोबारा रियायती दर पर दी गई, अब तीसरी बार जमीन देने की तैयारी। शर्त थी कि गरीब, आदिवासी और वंचित वर्ग के बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा,लेकिन एक भी पात्र बच्चे को प्रवेश नहीं मिला। कार्रवाई के बजाय यूडीए ने इनाम के तौर पर और जमीन आवंटित कर दी।

पहले कब्जा कर लिया, फिर कहा पहनाया कानूनी जामा

डीपीएस प्रबंधन ने पहले यूडीए की जमीन पर कब्जा किया, फिर उसी जमीन को रियायती दर पर आवंटित करवा लिया। यह सिलसिला यहीं नहीं रुका—आज भी डीपीएस के पास करीब 40 हजार वर्ग फीट यूडीए भूमि पर अवैध कब्जा बताया जा रहा है, जिसमें सड़क का हिस्सा भी शामिल है। अब इसी जमीन को भी संस्था को सौंपने का प्रस्ताव सरकार को भेज दिया गया है।

हर जांच में कब्जा माना, लेकिन खाली नहीं कराया

2016 में यूडीए सचिव रामनिवास मेहता की जांचः 82,628 वर्ग फीट कब्जा माना, 2018 में उज्जवल राठौड़ की रिपोर्टः 56,524 वर्ग फीट, 2023 में नितेंद्रपाल की रिपोर्टः 99,870 वर्ग फीट, हर बार कब्जा माना गया, हर बार नोटिस दिया गया, लेकिन कभी जमीन खाली नहीं कराई गई। बल्कि हर बार सरकार को प्रस्ताव भेजकर उसी जमीन को रियायती दर पर देने की सिफारिश की गई। भू-आवंटन नीति-2015 के अनुसार सीनियर सेकेंडरी स्कूल को 4 हजार वर्ग फीट से अधिक जमीन नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद डीपीएस को अब तक करीब 4 लाख वर्ग फीट से अधिक जमीन दी जा चुकी है—वह भी नियमों को ताक पर रखकर।

शर्तें कागजों में, हकीकत में शून्य

आवंटन पत्र में साफ लिखा था— संस्था लाभ के लिए कार्य नहीं करेगी, आदिवासी अंचल के बच्चों को 50% फीस में शिक्षा, 25% सीटें SC/ST/OBC/विकलांग/शहीदों के बच्चों के लिए आरक्षित, लेकिन जमीनी हकीकत में इन शर्तों की एक भी पालना नहीं हुई।

सबसे बड़ा सवाल जब हर जांच में कब्जा साबित हुआ, जब शर्तों का खुला उल्लंघन सामने है, जब नीति के खिलाफ बार-बार जमीन दी गई, तो आज तक यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने सरकार को जमीन निरस्त करने का एक भी पत्र क्यों नहीं लिखा?

फायरमैन–लाइब्रेरियन परीक्षा में फर्जी डिग्री नेटवर्क का भंडाफोड़, चेन्नई स्थित यूनिवर्सिटी का डायरेक्टर SOG की गिरफ्त में, हजारों डिग्रियां संदेह के घेरे में



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने सरकारी भर्तियों को प्रभावित करने वाले एक बड़े फर्जी डिग्री रैकेट का पर्दाफाश किया है। फायरमैन और लाइब्रेरियन परीक्षाओं में इस्तेमाल की जा रही फर्जी शैक्षणिक डिग्रियों के मामले में SOG ने चेन्नई स्थित भारत सेवक समाज (BSS) यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। SOG टीम ने बुधवार को चेन्नई से आरोपी डायरेक्टर SAG मोएसन को हिरासत में लिया और उसे जयपुर लाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह पूरा रैकेट डिजिटल माध्यमों, खासतौर पर व्हाट्सऐप के जरिए संचालित किया जा रहा था, जहां डिग्री उपलब्ध कराने से लेकर सत्यापन तक का नेटवर्क सक्रिय था। बिना मान्यता चल रही थी यूनिवर्सिटी जांच में बड़ा खुलासा यह हुआ है कि संबंधित यूनिवर्सिटी न तो किसी सरकारी मान्यता के तहत संचालित हो रही थी और न ही इसका वैध रजिस्ट्रेशन था। इसके बावजूद यहां 100 से अधिक प्रोफेशनल कोर्स संचालित किए जा रहे थे। इन्हीं कोर्सों की आड़ में बड़ी संख्या में फर्जी डिग्रियां जारी की गईं, जिनका इस्तेमाल विभिन्न भर्तियों और सेवाओं में किया गया। 7 हजार से अधिक संस्थानों को दी गई फर्जी संबद्धता SOG की जांच में यह भी सामने आया है कि यूनिवर्सिटी ने देशभर में करीब 7 हजार संस्थानों को फर्जी एफिलिएशन (संबद्धता) दे रखी थी। इन संस्थानों के जरिए डिग्री वितरण का जाल फैलाया गया। राजस्थान के दौसा जिले में संचालित एक ऐसे ही संस्थान के संचालक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। हजारों डिग्रियां जांच के दायरे में इस फर्जीवाड़े के उजागर होने के बाद अब हजारों डिग्रियां संदेह के घेरे में आ गई हैं। SOG इन डिग्रियों के जरिए सरकारी नौकरी पाने वाले अभ्यर्थियों, रैकेट से जुड़े एजेंटों, संस्थान संचालकों और अन्य सहयोगियों की गहन जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। SOG का फोकस अब इस पूरे नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने और फर्जी डिग्री के आधार पर नियुक्तियों में सेंध लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर है।

जमीन से निकला सोना बता दिया लालच, यूपी से बूंदी पहुंचा व्यापारी, 2.15 लाख ठगे, दो आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट



जमीन से निकला सोना बताकर सस्ते दामों में लोगों को नकली सोना बेचने वाले दो शातिर अपराधियों को सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2.15 लाख रुपए और कार भी बरामद की है. गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ में जुटी है. आरोपियों से और भी वारदाते खुलने की संभावना जताई जा रही है.

सदर थाना प्रभारी भंवर सिंह ने बताया कि सस्ता सोना दिखाकर लोगों को नकली सोना बेच कर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से धोखाधड़ी की गई राशि 2 लाख 15 हजार रुपए नकद राशि और वारदात में प्रयुक्त कार भी बरामद की गई है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भुरिया उर्फ बबलू और कालू के रूप में हुई है. थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपी पूर्व में भी लूट, डकैती, नकबजनी, चोरी, मारपीट व अवैध शराब तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में चालानशुदा रह चुके हैं. इस तरह पकड़ में आए शातिर ठगः थाना प्रभारी भंवर सिंह ने बताया कि 22 दिसंबर, 2025 को फरियादी अजय कुमार गुप्ता (34), निवासी शाहजहापुर, उत्तर प्रदेश ने रिपोर्ट देकर बताया कि लगभग एक माह पूर्व वह खाटुश्यामजी दर्शन के लिए गया था. जहां उसकी मुलाकात बबलू नाम के व्यक्ति से हुई. बबलू ने जमीन से निकला सोना मिलने की बात कहते हुए कम दाम में सोना देने का लालच दिया और अपना मोबाइल नंबर भी दिया. 12 दिसंबर को बबलू ने अजय को अपने घर रामनगर बुलाया. जब वह बूंदी पहुंचा, तो बस स्टैंड से बबलू उसे कार में रामनगर ले गया. जहां कालू नाम के व्यक्ति से भी मुलाकात करवाई. वहां आरोपियों ने सोने का एक छोटा टुकड़ा सैंपल के तौर पर दिया, जिसे अजय ने जांच के लिए लिया और बदले में 10 हजार रुपए दिए. जांच में सैंपल सही निकलने पर अजय को विश्वास हो गया.

'10 ग्राम सोना एक लाख में': थाना प्रभारी ने बताया कि कुछ दिन बाद आरोपियों ने सस्ते सोने का लालच देकर अजय को दोबारा बूंदी बुलाया और 10 ग्राम सोना मात्र 1 लाख रुपए में देने का झांसा दिया. 19 दिसंबर को अजय 2 लाख 15 हजार रुपए नकद और एक विवो मोबाइल फोन लेकर बूंदी पहुंचा. वहां से आरोपी उसे फिर रामनगर ले गए. घर पहुंचते ही आरोपियों ने पैसे ले लिए, लेकिन सोना नहीं दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरियादी को भगा दिया. उधर थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी धार्मिक स्थलों पर घूमने आए लोगों को निशाना बनाते थे और सस्ते सोने का लालच देकर बूंदी बुलाते थे. वहां नकली सोना दिखाकर लोगों से पैसे ऐंठ लेते और विरोध करने पर मारपीट या धमकी देकर फरार हो जाते.

उदयपुर की कशिश वाधवानी को मनोविज्ञान में पीएचडी, राज्यपाल ने किया सम्मानित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर की निवासी डॉ. कशिश वाधवानी ने भोपाल नोबल्स विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान (Psychology) विषय में डॉक्टरेट (PhD) की उपाधि प्राप्त कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। शोध कार्य पूर्ण होने के उपरांत विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बगाड़े द्वारा डिग्री प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. कशिश वाधवानी ने यह शोध साइकोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. लोकेश्वरी राठौड़ के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूर्ण किया। उनका शोध विषय "किशोरों के मानसिक कल्याण पर मनोविकृति (Psycho-Pathological) कारकों का प्रभाव" समसामयिक, संवेदनशील और समाज के लिए अत्यंत उपयोगी माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार यह शोध किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को समझने और सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अकादमिक योगदान है। लगभग 9 वर्षों के अनुभव के साथ डॉ. कशिश वाधवानी एक लाइफ कोच, एनएलपी प्रैक्टिशनर और डर्मेटोग्लिफिक्स मल्टीपल इंटेलिजेंस टेस्ट एक्सपर्ट के रूप में कार्य कर चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने सैकड़ों लोगों को मानसिक, भावनात्मक और व्यक्तिगत रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मान्यता नहीं फिर भी कई इंस्टीट्यूट को Affiliation, बांटी हजारों डिग्रियां, डायरेक्टर गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः राजस्थान की भर्ती परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को लाइब्रेरियन और फायरमैन की डिग्रियां बांटने वाले आरोपी निजी संस्थान के डायरेक्टर को एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी को एसओजी की टीम चेन्नई से पकड़कर लाई है. आरोपी चेन्नई में भारत समाज सेवक (बीएसएस) इंस्टीट्यूट का डायरेक्टर अरुल ग्नाना मोइसन है. बीएसएस यूजीसी का अन्य किसी भी संस्थान से मान्यता प्राप्त नहीं है. इसके बावजूद उसने कई संस्थानों के नेटवर्क के जरिए फर्जी डिग्रियां देने का जाल फैला लिया. बीएसएस का चेन्नई और दिल्ली में ऑफिस भी बना रखा है. दलालों के नेटवर्क के जरिए बीएसएस कई कोर्सेज की डिग्रियां ऑन डिमांड मुहैया करवा देता है. आरोपी से पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की संभावना है. एसओजी के डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि लाइब्रेरियन और फायरमैन भर्ती में फर्जी डिग्रियों की शिकायत लगातार मिल रही थी. इसके चलते भारत समाज सेवक (बीएसएस) संस्थान शक के दायरे में थी. इस बीच पटवारी भर्ती में भी गड़बड़ी का इनपुट मिला. इसकी तस्दीक करने टीम पहुंची तो पटवारी भर्ती से जुड़ी गड़बड़ी नहीं मिली, लेकिन फायरमैन की फर्जी डिग्री जारी होने की जानकारी मिली. यह डिग्रियां बैक डेट में बीएसएस संस्थान से जारी होने की जानकारी मिली. इसके आधार पर कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए यह कार्रवाई की गई है. पहले दो आरोपियों को पकड़ा, पूछताछ में मिली कड़ीः उनका कहना था कि मौके से एक शख्स को गिरफ्तार किया गया. इसके बाद हिंडौन (करौली) में AS फायर सेफ्टी इंस्टीट्यूट के संचालक श्यामवीर की गिरफ्तारी हुई

बच्चों को कंबल वितरित कर जीवन के प्रति सकारात्मक सोच का संकल्प दिलाया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 जनवरी। महिला समाज सोसाइटी ने सर्दी के मौसम में जरूरतमंद बच्चों की सहायता के साथ-साथ उन्हें जीवन की अहम सीख देते हुए मानवीय और सामाजिक सरोकारों का प्रभावी संदेश दिया। सोसायटी की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय हवाला 45, महाकाल मंदिर व अम्बामाता मंदिर पर 30, अंबामाता में काम वाली बाईजी को 10, सुखाड़िया सर्किल पर सोए हुए लोगों को 15 कम्बल वितरित किए गए। इस सेवा कार्य में सोसायटी की सचिव कौशल्या रूंगटा का सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान सोसाइटी की अध्यक्ष माया कुम्भट ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें जीवन के महत्व को समझाया और आत्महत्या जैसे घातक विचारों से दूर रहने की प्रेरक सलाह दी। अध्यक्ष ने कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है और इसे किसी भी परिस्थिति में यूं ही समाप्त नहीं किया जाना चाहिए। जीवन में चाहे कैसी भी परेशानी आए, उसका समाधान अवश्य निकलता है। कम नंबर आना, अध्यापक या माता-पिता की डांट जैसी परिस्थितियां अस्थायी होती हैं, उनका हल आत्मघाती सोच नहीं, बल्कि सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने बच्चों को समझाया कि यदि मन विचलित हो तो किसी अच्छे कार्य, परिवार, समाज, धर्म, देश या अपने प्रिय विषय को समर्पित होकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहानी और संवाद के माध्यम से बच्चों को जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया तथा सभी विद्यार्थियों से हाथ उठवाकर यह संकल्प दिलाया कि वे अपने जीवन में कभी भी आत्मघाती विचारों को स्थान नहीं देंगे। इस अवसर पर पूर्ण कला सुराणा और शकुंतला घोष विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में सोसाइटी की सचिव कौशल्या रूंगटा का आभार व्यक्त किया गया।



समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें - desk24newsupdate@gmail.com

खून के बदले साजिश! एमबी अस्पताल में काले कोट ने लिखवाया आदिवासी से सफेद झूठ, ब्लड ठगी केस में पीड़ित को ही आरोपी बनाने की साजिश



24 न्यूज अपडेट

आज की यह खबर सिर्फ खून दिलाने के नाम पर हुई ठगी की नहीं है, आज की यह खबर है एक गरीब आदिवासी की मजबूरी, एक अस्पताल में चल रहे खेल और काले कोट की आड़ में रची गई साजिश की। आज हम आपको उस सच से रूबरू कराने जा रहे हैं, जिसे दबाने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन जो अब सामने आ चुका है।

यह तस्वीरें उदयपुर के एमबी अस्पताल की हैं। यहीं बांसवाड़ा जिले की सज्जनगढ़ तहसील के सुखेरा गांव निवासी सोहन अड पिछले तीन दिनों से नंगे पांव इंसाफ की गुहार लगाता रहा। उसकी पत्नी अपनी नन्हीं बच्ची के साथ एमबी अस्पताल के आईसीयू में गंभीर हालत में भर्ती है।

मां ICU में जिंदगी और मौत से जूझ रही है, गोद में छोटी बच्ची है, और बाहर पति नंगे पांव न्याय मांग रहा है।

आपको बता दें कि इलाज के दौरान सोहन अड की पत्नी के लिए ब्लड की जरूरत पड़ी। यह वसूली कोई साधारण ठगी नहीं थी। यह खेल इतना सटीक और फुलप्रूफ तरीके से खेला गया कि इसमें कई और लोगों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता।

मामला जब मीडिया में आयाऔर हर तरफ सवाल उठे,,लेकिन हैरानी की बात यह है कि— ना अस्पताल प्रशासन ने ना जिला प्रशासन ने ना किसी जनप्रतिनिधि ने अब तक कोई जांच शुरू नहीं की।

जिला कलेक्टर से लेकर अस्पताल की व्यवस्था देखने वाली पूरी प्रशासनिक मशीनरी जैसे सोई हुई है। या फिर उसकी भी मिलीभगत है।

आज सवाल उठता है - क्या आम आदमी के लिए

अब कोई जिम्मेदार बचा है? हमारे चैनल पर खबर दिखाए जाने के बाद गार्ड और उसके साथी घबरा गए।

परसों शाम 3000 रुपए में से 2500 रुपए वापस किए गए, और यह झूठ फैलाया गया कि- आदिवासी युवक के कहने पर ही ऑनलाइन पैसा आया था, जो उसकी हमने उसकी मदद करने के ए कैश में लौटा दिया।

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। जब आदिवासी युवक को कैश पैसे लौटाए गए, तो उसी वक्त उसके फोटो खींच लिए गए।

और कहा गया— अब बाकी पैसा नहीं मिलेगा, जो करना है कर लो। सवाल सीधा है कि दूसरों की मदद करने वाले कब से फोटो खींचकर सबूत रखने लगे? हमारी पड़ताल में जो सबसे बड़ा और खतरनाक मोड़ सामने आया, वह यह है कि पीड़ित आदिवासी युवक को आज सुबह फिर आरोपियों ने अस्पताल में बुलाया।

इस बार सिर्फ महिला गार्ड नहीं थी। उसके साथ कुछ और लोग भी थे। साथ ही इस बार सामने आया एक काले कोट वाला व्यक्ति, जो कथित तौर पर कानून के रखवाले जैसा दिखाई दे रहा था। पीड़ित का आरोप है कि पहले उसे धमकाया गया, फिर कहा गया कि अगर बकाया पैसा चाहिए तो एप्लीकेशन लिखनी पड़ेगी।

गरीब आदिवासी युवक को काले कोट वाला व्यक्ति अस्पताल परिसर के एक कोने में ले गया।

वहीं काले कोट वाले व्यक्ति ने उसे बिठा कर डिक्टेशन देकर पूरी एप्लीकेशन लिखवाई। इस एप्लीकेशन को अस्पताल अधीक्षक के सामने इस तरह पेश किया गया कि मानो पूरा मामला खुद आदिवासी युवक ने रचा हो, मानो उसके साथ कुछ भी गलत नहीं हुआ हो। जैसे युवक ही झूठ बोल रहा हो। अब पीड़ित का कहना है कि— पैसा भी उसी काले कोट वाले व्यक्ति ने दिया।

यानि साफ है कि पूरे मामले को दूसरी दिशा में मोड़ने का प्रयास हो रहा है। पीड़ित को ही आरोपी बनाने की कोशिश और गार्ड व उसके साथियों के बरसों से चले आ रहे गोरखधंधे को बचाने की साजिश हो रही है।

हम इसे हर हाल में बेनकाब करके रहेंगे। अब सवाल सीधे हैं— एमबी अस्पताल अधीक्षक से जिला प्रशासन से और सोशल मीडिया पर अपना शौर्य दिखाने वाले हमारे जनप्रतिनिधियों से।

क्या एमबी अस्पताल में एक संगठित गैंग सक्रिय है?

क्या आदिवासी अंचल से आने वाले भोले-भाले लोगों को यूं ही लूटा जाता रहेगा? और वे हाथ पर हाथ धरे यूं ही बैठे रहेंगे।

हम साफ कर देना चाहते हैं कि हमारे पास पैसों के लेन-देन के सभी ठोस सबूत मौजूद हैं। आज हमने सब कुछ नहीं दिखाया है, लेकिन समझदार के लिए इशारा ही काफी है। अगर इस मामले को दबाने की कोशिश की गई तो याद रखिए— अगर बात निकलेगी तो बहुत दूर तक जाएगी। कई लोग नप जाएंगे। बचने की कोशिश करने वाले भी, और बचाने की कोशिश करने वाले भी।

दर्शकों, यह सिर्फ एक खबर नहीं है, यह सिस्टम की परीक्षा है। क्या गरीब आदिवासी को न्याय मिलेगा?

या फिर काले कोट और सफेद कॉलर वाले मिलकर सच को कुचल देंगे? नजरें टिकी हैं अस्पताल अधीक्षक की कार्रवाई पर। हालांकि उनसे भी ज्यादा उम्मीदें तो नहीं है।

अक्षय पात्र से जुड़े 280 विद्यालयों के कुक-कम-हेल्परों का मानदेय आधा, 50% कटौती से आक्रोश, शिक्षक संघ का कल जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

24न्यूज अपडेट

उदयपुर। अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा मिड-डे मील सप्लाई किए जाने वाले उदयपुर जिले के गिर्वा, शहर और बड़गांव ब्लॉक के करीब 280 सरकारी विद्यालयों में कार्यरत कुक-कम-हेल्परों के मानदेय में 50 प्रतिशत की कटौती किए जाने से भारी आक्रोश फैल गया है। बिना किसी पूर्व सूचना के अगस्त 2025 से पांच माह के मानदेय का भुगतान आधा किए जाने के बाद कुक-कम-हेल्पर नाराज हैं। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने बताया कि वर्षों से विद्यालयों में साफ-सफाई, दूध गर्म करने, भोजन वितरण और बर्तन धोने जैसे कार्य करने वाले कुक-कम-हेल्परों को पहले प्रतिमाह 2297 रुपये का मानदेय जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) कार्यालय द्वारा दिया जाता था। लेकिन अब 2022 के एक पुराने आदेश का हवाला देते हुए, बिना किसी सूचना के आधा मानदेय भुगतान कर दिया गया, जिससे कुक-कम-हेल्पर बेहद आहत और नाराज हैं।

"पहले ही कम मानदेय, अब आधा कर दिया"

शेर सिंह चौहान ने कहा कि पहले से ही कुक-कम-हेल्परों का मानदेय इतना कम था कि गुजारा मुश्किल से हो रहा था। अब जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) कार्यालय द्वारा अचानक मानदेय आधा कर देना अन्यायपूर्ण है। इससे कई विद्यालयों में कुक-कम-हेल्परों ने काम करने से इंकार कर दिया है, जबकि कुछ लोग काम छोड़कर चले गए हैं।

2022 का आदेश, तो अब क्यों लागू?

जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) से इस संबंध में जानकारी लेने पर बताया गया कि 19 जुलाई 2022 को अतिरिक्त आयुक्त, मिड-डे मील, राजस्थान सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार मानदेय में कटौती की गई है। इस पर जिला महामंत्री कमलेश शर्मा ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि ऐसा कोई आदेश 2022 में था, तो तीन वर्षों तक इसे लागू क्यों नहीं किया गया? और अचानक अगस्त 2025 में ही मानदेय घटाने का फैसला क्यों लिया गया?

1149 रुपये में गुजारा कैसे?

आधे मानदेय के बाद कुक-कम-हेल्परों को अब मात्र 1149 रुपये प्रतिमाह मिल रहे हैं, जिससे परिवार चलाना असंभव हो गया है। इससे कुक-कम-हेल्परों में गहरी निराशा और रोष व्याप्त है। कुक-कम-हेल्परों को पूरा मानदेय दिलाने की मांग को लेकर राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र मानदेय कटौती वापस नहीं ली गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

14वीं राष्ट्रीय ड्रेगन बॉट प्रतियोगिता में राजस्थान ने स्वर्ण पदक जीतकर रचा इतिहास



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 जनवरी। भोपाल (म.प्र.) में आयोजित हो रही 14वीं राष्ट्रीय ड्रैगन बॉट प्रतियोगिता (जुनियर व सीनियर) के दूसरे दिन बुधवार को राजस्थान जुनियर मिक्स टीम ने 2000 मीटर रेस में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। राजस्थान कायाकिंग एवं कैनोईंग संघ के अध्यक्ष भगवान स्वरूप एवं सचिव दिलीप सिंह चौहान ने बताया कि जुनियर मिक्स 2000 मीटर रेस में देश की करीब 12 श्रेष्ठ खिलाडियों से सुसज्जित टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया था, जहां पर राजस्थान की जुनियर मिक्स टीम ने अपनी रेस 10 मीनट व 243 मीली सेकेण्ड में पूरी कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। राजस्थान ड्रैगन बॉट चेयरमैन अजय अग्रवाल व संघ के महेश पिम्पलकर ने बताया कि राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता जुनियर मिक्स टीम में राजस्थान की सुश्री कनिष्का कुमावत, सुश्री शगुन कुमावत, सुश्री मनस्वी सुखवाल, सुश्री नाईसा पानेरी, सुश्री चार्वी कुमावत, सुश्री काव्या सैनी, सुश्री प्रनवी कुमावत, सुश्री तेजस्वी जोशी, देवेन्द्र सिंह, कुलवर्धन सिंह शक्तावत, पार्थ सिंह चुण्डावत, सक्षम कुमावत, अनन्त सिंघवी, मानस सुखवाल खिलाडीयों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए राजस्थान की झोली में स्वर्ण पदक डाला वही राजस्थान की जूनियर और सीनियर टीम के प्राक्षिशक के लिए पूर्व अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाडी सुश्री तनिष्क पटवा को नियुक्त किया गया है। संघ के चेयरमैन चंद्र गुप्त सिँह चौहान ने सभी स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी, जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल व यु.डी.ए. आयुक्त राहुल जैन को भी बधाईयां दी। साथ ही संघ के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण के लिए बॉट प्रदान करने पर पूर्व राजपरिवार के डॉ लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ एवं निवृत्तिसिंह का आभार व्यक्त किया। सचिव श्री चौहान ने बताया कि प्रतियोगिता से पूर्व राजस्थान टीम के चयन हेतु राजस्थान के सभी खिलाडियों की एक ट्रायल उदयपुर के फतेहसागर स्थित रिजनल कोचिंग केन्द्र पर ली गई थी जहां पर बेस्ट खिलाडियों का चयन किया गया। इस अवसर पर संघ के चेयरमैन पीयूष कछवाहा, तुषार मेहता, कमलेश हाथी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. महावीर सिंह परिहार, उपाध्यक्ष प्रो. मदन सिंह राठौड, तकनीकी अधिकारी दीपक गुप्ता, नवलसिंह कोषाध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र सिँह ने टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की।

प्रतापगढ़ थानाधिकारी पर गंभीर आरोप, आदिवासी मुद्दों को लेकर भी उबाल, ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच व सख्त कार्रवाई की मांग



24न्यूज अपडेट

उदयपुर/प्रतापगढ़, 7 जनवरी। प्रतापगढ़ थानाधिकारी दीपक बंजारा पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके विरुद्ध आपराधिक व विभागीय कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। इसी कड़ी में बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव एवं नगर निगम उदयपुर के पूर्व पार्षद राजेश सिंघवी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं व सामाजिक प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दीपक बंजारा सहित अन्य पुलिसकर्मियों पर अवैध रूप से हथियारों के साथ एक मकान में घुसकर मारपीट, लूटपाट और निर्दोष व्यक्ति को झूठे एनडीपीएस मामले में फंसाने के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि 31 दिसंबर की रात प्रतापगढ़ के सार्वजनिक चिकित्सालय के पास स्थित अब्दुल हमीद शेख के मकान में थानाधिकारी दीपक बंजारा अन्य पुलिसकर्मियों व नर्सिंग छात्रों के साथ जबरन घुसे, मारपीट कर उनके हाथ-पैर तोड़ दिए और सोने के जेवर, करीब 1.80 लाख रुपये, मोबाइल व एलईडी सहित अन्य सामान उठा ले गए। इस दौरान सीने पर पिस्टल तानने और गालियां देने के भी आरोप लगाए गए हैं। इस मामले की जानकारी देते हुए अब्दुल हमीद शेख के पुत्र एडवोकेट जाहिद शेख ने बताया कि उनके पिता का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, इसके बावजूद उन्हें पुराने एनडीपीएस प्रकरण में अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया। घटना के बाद प्रतापगढ़ में भारी आक्रोश फैल गया और सोमवार को हजारों लोगों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी से कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ अधिवक्ता सलीम खान, वाहिद नूर कुरेशी, के.आर. सिद्दीकी, प्रीति बी. शाह, तुषार सुहालका, निर्मला डांगी, सुमित्रा राजक सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे। इधर, आदिवासी मुद्दों को लेकर भी जिले में असंतोष देखने को मिला। अखिल भारतीय किसान सभा और आदिवासी जनाधिकार एका मंच के बैनर तले गोगुन्दा उप जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए आदिवासी जनाधिकार एका मंच के राज्य सचिव विमल भगोरा ने कहा कि आजादी के दशकों बाद भी आदिवासियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। माकपा जिला सचिव एवं पूर्व पार्षद राजेश सिंघवी ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश में विकास का लाभ सिर्फ पूंजीपतियों तक सीमित है, जबकि आम जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही है। किसान सभा के जिला सचिव प्रभुलाल भगोरा, आदिवासी जनाधिकार एका मंच के जिलाध्यक्ष हाकरचंद खराड़ी, मजदूर नेता हिरालाल सालवी और माकपा जिला सचिव मंडल सदस्य गुमानसिंह राव ने भी सरकार की नीतियों की आलोचना की। सभा के बाद राजेश सिंघवी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उप जिला कलेक्टर, गोगुन्दा को ज्ञापन सौंपकर वन अधिकार पट्टे, मनरेगा के कार्य शुरू करने, शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली, सड़क, मुआवजा, राशन व्यवस्था में सुधार और आदिवासी आबादी के अनुपात में बजट जारी करने सहित कई मांगें रखीं। उप जिला कलेक्टर ने समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।

महावीर इंटरनेशनल उदयपुर द्वारा थैलेसीमिया एवं वात्सल्य प्रोजेक्ट के तहत जागरूकता अभियान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय संस्था महावीर इंटरनेशनल उदयपुर भारत सरकार तथा महावीर इंटरनेशनल के अपेक्स के दिशा निर्देशों व के तहत् थैलेसीमिया तथा वात्सल्य प्रोजेक्ट के तहत सो सेनेटरी पेड़ों का वितरण किया गया। अध्यक्ष वीर रविंद्र सुराणा ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल अपेक्स से प्राप्त निर्देश अनुसार महावीर विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय हिरण मगरी सेक्टर 5 में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉक्टर भूपेश जैन के द्वारा थैलेसीमिया प्रोजेक्ट के तहत बताया गया कि रक्त संबंधी रोग विशेषकर थैलेसीमिया हीमोफीलिया एनीमिया और स्किल सेल डिजीज के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।

डॉक्टर भूपेश जैन ने बताया कि थैलेसीमिया एक अनुवांशिक रक्त विकार है जिसमें शरीर सामान्य से कम हीमोग्लोबिन बनता है जिस से एनीमिया होती है और अंगों तक ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती यह माता-पिता से बच्चों के जिन के माध्यम से फैलता है और इसके दो मुख्य कारण है अल्फा और बीटा थैलेसीमिया जो गंभीरता से हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकता है जिसमें खून को बार-बार चढऩे की आवश्यकता होती है।

इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र अध्यक्ष रविंद्र सुराणा बताया कि स्कूल की बच्चियों को 100 सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। सुराणा ने बताया कि सेनेटरी नैपकिन वितरण से महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य शिक्षा और सशक्तिकरण में सुधार होता है क्योंकि यह मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देता है मासिक धर्म से जुड़ी गरीबों को काम करता है स्कूल छोडऩे की दर घटना है और इस आत्मविश्वास के साथ देने गतिविधियों में भाग लेने की क्षमता बनता है।

इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र के द्वारा स्कूल के अध्यापको एवं डॉक्टर जैन को जुट बेग का वितरण किया गया श्री बड़ीवाला ने बताया कि जुट बेग से पर्यावरण के अनुकूल दोबारा इस्तेमाल होने वाला और सहेली की तरह उपयोगी होता है जो प्लास्टिक बैग का एक बढिया विकल्प है जिसमें आप अपनी जरूरत के हिसाब से चीज रख सकते हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।